चीटियां जानती हैं भीड़भाड़ का समाधान

चींटियों ने एक ऐसी बड़ी समस्या का हल निकाल लिया है जिससे मनुष्य अभी तक पार नहीं पा सके हैं। हमारी कारें जाम में फंस जाती हैं जबकि चींटियां कितनी भी संख्या में हो एक-दूसरे की मदद से अपनी बस्ती के चारों ओर काफी कुशलता से चल पाती हैं। वे ऐसा कैसे कर पाती हैं, यह समझकर हम अपने उलझे रोड ट्रैफिक का बेहतर समाधान ढूंढ़ सकते हैं।

ड्रेसडेन युनिवर्सिटी ऑफ टेक्नॉलॉजी के सामूहिक व्यवहार के विशेषज्ञ ड्रिक हेलबिंग और उनके सहयोगियों ने इस बात का अध्ययन किया है कि चींटियां अपनी बस्ती के चारों तरफ कैसे भ्रमण करती हैं। इसके लिए उन्होंने चींटियों की बस्ती से लेकर शक्कर के घोल तक चींटियों के हाइवे बनाए। दो मार्ग बनाए गए - एक अधिक चौड़ा और दूसरा कम चौड़ा। जैसा कि होना था, संकरा रास्ता जल्द ही भर गया और वहां भीड़ इकट्ठी हो गई। लेकिन एक चींटी जो उसी रास्ते से बस्ती की ओर लौट रही थी, दूसरी ओर से आ रही चींटी से टकराई, उन्होंने रास्ते से ही वापस आना शुरू कर दिया। वापस आती चींटियां नई चींटियों को चौड़े रास्ते की ओर जाने के लिए धक्का दे रहीं थी। इस प्रकार वापस आती चींटी ने आराम से अपना रास्ता तय किया और फिर किसी चींटी से नहीं टकराई।

शोधकर्त्ताओं ने अधिक लम्बाई और जटिलता भरे रास्तों के कई कम्प्यूटर मॉडल तैयार किए और उन्होंने पाया कि कई बार चींटियां जाने के लिए लम्बे रास्ते का चयन करती हैं लेकिन इसके बावजूद वे भोजन तक शीघ्र और कुशलता से पहुंच जाती हैं।

यदि भीड़ वाले रास्तों पर लौटते लोग भी एक दूसरे को जाम की जानकारी देते चलें तो जाम से बचा जा सकता है। ***(स्रोत फीचर्स)***